

भू-स्खलन से तीस्ता-V जलवदियुत स्टेशन को नुकसान

स्रोत: द हट्टि

पूर्वी सक्किमि में भूस्खलन से राष्ट्रीय जलवदियुत नगिम (NHPC) के तीस्ता-V जलवदियुत स्टेशन स्थल को काफी नुकसान पहुँचा है।

- यह घटना अक्टूबर 2023 में ग्लेशियल लेक आउटब्रस्ट फ्लड (GLOF)-प्रेरित फ्लैश फ्लड से पहले से ही प्रभावित परियोजना के सामने आने वाली चुनौतियों को और बढ़ा देती है।
 - भूस्खलन को सामान्य रूप से शैल, मलबा या पृथ्वी का नीचे की ओर खसिकना, ढाल से गरिने वाली मट्टी के वृहद् संचलन के रूप में परिभाषित किया जाता है।
 - यह एक प्रकार के वृहद् पैमाने पर अपकष्य है, जिससे गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में मट्टी और शैल समूह खसिककर ढाल से नीचे गरिते हैं।
 - भूस्खलन शब्द में ढलान संचलन के पाँच तरीके शामिल हैं: गरिना (Fall), लटकना (Topple), फसिलना (Slide), फैलना (Spread) और प्रवाह (Flow)।
- वर्ष 2008 में चालू किया गया तीस्ता-V पावर स्टेशन (510 मेगावाट) तीस्ता नदी की जलवदियुत शक्ति का दोहन करने के लिये नदी तट पर संचालित एक योजना है। पावर स्टेशन लाभार्थी राज्यों में बिहार, सक्किमि, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और झारखंड शामिल हैं।
- तीस्ता नदी ब्रह्मपुत्र नदी (बांग्लादेश में जमुना के नाम से जानी जाती है) की एक सहायक नदी है, जो भारत और बांग्लादेश से होकर बहती है। यह छोबो छू ग्लेशियल/हमिनद झील, चुनथांग सक्किमि से निकलती है।
 - यह बांग्लादेश में प्रवेश करने से पूर्व भारत के पश्चिम बंगाल से होकर बहती है। मूल रूप से यह सीधे पद्मा नदी (बांग्लादेश में, गंगा नदी को पद्मा नदी के नाम से जाना जाता है) में मिलती थी, लेकिन वर्ष 1787 के आसपास, यह अपना मार्ग बदलकर जमुना नदी में मिल गई।
 - तीस्ता बाँध ऊपरी पद्मा और जमुना के बीच के मैदानों के लिये सचिाई की सुवधि प्रदान करता है।

और पढ़ें: सक्किमि बाँध आपदा ने भारत-भूटान जलवदियुत परियोजना के लिये चिंता बढ़ाई